BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS
COMPILED BY MEDIA CELL (20.04.2025)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE: 20.04.2025, PAGE-08

इंटरनल बनाने के लिए हेड को किया गया अधिकृत

इंटरनल बनाने के लिए हेड को अधिकृत कर दिया गया। रेगुलेशन के अनुसार दूसरे विवि के गाइड नहीं हो सकते हैं। यहीं के हेड अब इंटरनल बनेंगे। किसी के गाइड गुजर गए और उनकी थिसिस जमा है तो उनके विषय के हेड ही इंटरनल होंगे। एमडी होमियोपैथ के अंकपत्र व प्रमाणपत्र का नया प्रारूप बनाया गया है। इसपर बोर्ड में मुहर लग गई। अब एमडी कोर्स के रिजल्ट को डिजिटल कर दिया गया है।

फेस्टिवल में भाग लेने वालों के लिए फिर होगी परीक्षा

ईस्ट जोन फेस्टिवल में भाग लेने वाले विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए यूजी और पीजी की परीक्षा फिर होगी। परीक्षा बोर्ड की बैठक में इसपर मुहर लग गई। तीन दर्जन से अधिक विद्यार्थी ईस्ट जोन यंग फेस्टिवल में भाग लेने के कारण इन परीक्षाओं में शामिल नहीं हो पाए। इसके साथ ही संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों को विशेष टैबुलेटर के तौर पर अनुमति मिल गई है।

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE:20.04.2025, PAGE-06

चार वर्षीय स्नातक का अंकपत्र फार्मेट मंजूर

सत्र 2023-27 में नामांकित 1.40 लाख विद्यार्थियों को दो वर्ष से था अंकपत्र का इंतजार

- अंकपत्र पर रहेगा ग्रेड उसके पीछे रेगुलेशन और अन्य नियमावली का होगा विवरण
- कुलपति की अध्यक्षता में परीक्षा बोर्ड की बैठक में नए फार्मेट को लेकर दी गई मंजूरी
- परीक्षा शुरू होने से 10 दिन पहले ही परीक्षा फार्म भरने की रोक दी जाएगी प्रक्रिया

परीक्षा को लेकर बैठक करते कुलपति (दाएं) • जागरण

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में पिछले दो वर्षों से करीब 1.40 लाख विद्यार्थियों को अंकपत्र मिलने का रास्ता साफ हो गया है। शनिवार को कुलपति की अध्यक्षता में परीक्षा बोर्ड की बैठक में अंकपत्र के नए फार्मेट को मंजूरी मिल गई है। इसमें अंकों की जगह ग्रेड होगा। अंकपत्र के पीछे चार वर्षीय कोर्स का रेगुलेशन व नियमावली होगी।

च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के तहत 2023-27 में नामांकित विद्यार्थियों के लिए थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा चल रही है। अब तक विद्यार्थियों को फर्स्ट व सेकेंड सेमेस्टर का अंकपत्र नहीं मिल सका है। दूसरी ओर अब विश्वविद्यालय में शुरू होने वाली परीक्षा से 10 दिन पहले ही परीक्षा फार्म भरने की प्रक्रिया रोक दी जाएगी। इसका सख्ती से पालन कराया जाएगा। देरी से फार्म भेजने वाले कालेजों पर कार्रवाई होगी। अब तक परीक्षा शुरू होने से एक दिन पहले तक कई कालेजों में फार्म भराया जा रहा था। इस कारण परीक्षार्थियों की संख्या का आकलन नहीं किया जा सका। थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा में कई केंद्रों पर प्रश्नपत्र घट गए। इसको देखते हुए विश्वविद्यालय के स्तर से यह फैसला लिया गया है। अब स्नातक व पीजी की अगली परीक्षाओं के समाप्त होने के साथ ही आंसर की जारी की जाएगी। विश्वविद्यालय की ओर से आंसर की जारी होगी। इस प्रस्ताव को भी बोर्ड से मंजूरी मिल गई है। आंसर की विश्वविद्यालय के पोर्टल पर जारी होगी। परीक्षा बोर्ड की बैठक में एलएलएम कोर्स के अंकपत्र के नए फार्मेट व टीआर को भी स्वीकृति दी गई है। वहीं एमडी होम्योपैथी कोर्स के अंकपत्र का नया फार्मेट मंजूर नहीं हो सका है। इसे अगली बैठक में रखा जाएगा। प्राक्टर प्रो.बीएस राय ने बताया परीक्षा बोर्ड की बैठक में कई लंबित एजेंडों पर सहमति बनी है।

फेल को अंकपत्र देने में कालेज व टेबुलेटर से स्पष्टीकरण : जेपल कालेज हाजीपुर के एक छात्र को फेल होने के बाद भी उसका अंकपत्र जारी करने मामले में संबंधित कालेज व टेबुलेटर से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। छात्र टीडीसी पार्ट वन में फेल था, लेकिन उसका पास का अंकपत्र जारी कर दिया गया था। इस आधार पर छात्र ने टीडीसी पार्ट वन और थर्ड की परीक्षा दी। थर्ड पार्ट का रिजल्ट रोक दिया गया। इसके बाद छात्र ने विश्वविद्यालय में आवेदन देकर रिजल्ट सुधार की मांग की थी। आवेदन पर छात्रहित में परीक्षा बोर्ड ने रिजल्ट जारी करने पर सहमति दी है। दूसरी ओर स्टोर से गायब हुई कापियों पर औसत अंक देकर छात्र-छात्राओं का परिणाम जारी किया जाएगा। परीक्षा बोर्ड ने छात्रहित में यह निर्णय लिया है। ईस्ट जोन यूथ फेस्टिवल में शामिल स्नातक व पीजी के विद्यार्थियों के लिए स्पेशल परीक्षा कराई जाएगी। टीडीसी पार्ट वन स्पेशल परीक्षा के अंक जोड़कर पार्ट थर्ड का रिजल्ट जारी करने का प्रस्ताव स्वीकृत हुआ है। स्पेशल प्रायोगिक परीक्षा में अनुपस्थित छात्रों के लिए फिर से परीक्षा कराने का निर्णय हुआ है। संबद्ध कालेजों के शिक्षकों को टैबुलेटर बनाए जाने का प्रस्ताव नामंजूर हो गया है। एमबीए कोर्स के अंकपत्र व सर्टिफिकेट पर स्पेशलाइजेशन विषय का वर्णन रहेगा। सत्र 2017-19 के तहत आए आवेदन पर बोर्ड ने मंजूरी दी है।

नोडल अधिकारी के हस्ताक्षर से जारी होगा अंकपत्र : दूरस्थ शिक्षा निदेशालय से जारी होने वाले अंकपत्र पर अब नोडल अधिकारी का हस्ताक्षर होगा। अब तक प्रशासनिक अधिकारी का हस्ताक्षर होता था। बोर्ड ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है। दूसरी ओर नोडल अधिकारी की ओर से दिए गए प्रस्ताव के आधार पर डीडीई के लिए टेबुलेटर की नियुक्ति की जाएगी।